केन्द्रीय विद्यालय संगठन
एरणाकुलम संभाग
प्रतिदर्श प्रश्न पत्र - 2012-2013
हिन्दी (केन्द्रिक)

कक्षा : XII

समय : 3 घंटे
पूर्णांक : 100

सामान्य अनुदेश

1. **कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 14 प्रश्न हैं।**
2. **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।**
3. **इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है।**

खण्ड क

1. **निम्न काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –** 5

प्राइवेट बस का ड्राइवर है तो क्या हुआ
सात साल की बच्ची का पिता तो है!
सामने गीयर से ऊपर
हुक से लटका रक्खी हैं
काँच की चार चूड़ियाँ गुलाबी
बस की रफ़्तार के मुताबिक
हिलती रहती हैं
झुक कर मैंने पूछ लिया

खा गया मानो झटका
अधेड़ उम्र का मुच्छड़ रोबीला चेहरा
आहिस्ते से बोला : हाँ साब
लाख कहता हूँ, नहीं मानती है मुनिया
टाँगे हुए है कई दिनों से
अपनी अमानत
यहाँ अब्बा की नज़रों के सामने
मैं भी सोचता हूँ

क्या बिगाड़ती हैं चूड़ियाँ
किस जुर्म पे हटा दूँ इनको यहाँ से?
और ड्राइवर ने एक नज़र मुझे देखा
और मैंने एक नज़र उसे देखा

क) कवि ड्राइवर के बारे में क्या बताता है? 1

ख) ड्राइवर कवि की बात से झटका क्यों खा गया? 1

ग) ड्राइवर की मुनिया क्या ज़िद करती है? 1

घ) ड्राइवर ने क्या सोचा? 1

(ङ) अंतिम दो पंक्तियों का भाव बताइए। 1

2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों केलिए उत्तर दीजिए। 15

हमारे शरीर के लिए भोजन आवश्यक है। इसी प्रकार हमारे मस्तिष्क को भी भोजन की आवश्यकता होती है। मस्तिष्क का सर्वोत्तम भोजन पुस्तकें हैं। इनका अपना ही आनंद है जो किसी अन्य वस्तु से नहीं मिल सकता। अध्ययन करते समय हम जीवन की चिंताओं और दुखों को भूल जाते हैं।

अध्ययन कई प्रकार का होता है। पहला प्रकार, हल्का - फुल्का अध्ययन अर्थात् समाचारपत्रों, पत्र-पत्रिकाओं आदि की पढ़ाई करना होता है जिनसे वर्तमान घटनाओं के विषय में व्यापक ज्ञान प्राप्त होता है। इनके द्वारा हमें विश्व के प्रत्येक भाग की घटनाओं और क्रियाकलापों के विषय में सब कुछ पता चलता रहता है। आज के युग में हम इस प्रकार के हलके - फुलके अध्ययन से वंचित नहीं रह सकते। बिना समाचारपत्रों के हम कुएँ के मेंढक के समान हो जाएँगे। इसलिए ऐसे अध्ययन की, जो आनंदमय हों और शिक्षाप्रद भी, अनदेखी नहीं की जा सकती।

इसके बाद यात्रा और साहसिक कार्यों से संबद्ध पुस्तकें आती हैं। व्यक्ति दैनिक जीवन की कठोर वास्तविकताओं से दूर भागना चाहता है। साहसिक कार्य करने की भावना मानव के रक्त में होती है। यात्रा और साहसिक कार्यों का वर्णन करने वाली पुस्तकें हमारे मन में भी साहस और निर्भीकता की भावना पैदा करती हैं। खाली समय को आनंद से बिताने का सबसे अच्छा साधन है उपन्यास। शाम के समय अथवा गाड़ी में यात्रा करते समय उपन्यास पढ़ने से बेहतर कोई मनोरंजन नहीं है। कुछ समय के लिए पाठक अपने व्यक्तित्व और सत्ता को ही भूल जाता है। वह उपन्यास के किसी चरित्र के साथ एकाकार हो जाता है। इससे उसे अपार सुख मिलता है।

इनके अलावा गंभीर अध्ययन की पुस्तकें होती हैं। इनमें साहित्य, इतिहास, दर्शन आदि की पुस्तकें आती हैं जो सभी काल में पढ़ी जाने योग्य कृतियाँ होती हैं। ऐसी पुस्तकें गंभीर और

विचारशील व्यक्तियों के लिए होती हैं। साहित्य का विद्यार्थी सभी युगों के सर्वोत्कृष्ट विद्वानों के संपर्क में आता है और अपने चिंतन के लिए उपयोगी आहार प्राप्त करता है। वे उसे जीवन के आध्यात्मिक मूल्यों की पूरी जानकारी देते हैं। इस प्रकार वह अपने जीवन को श्रेष्ठ और महान बना सकता है। उसका दृष्टिकोण व्यापक हो जाता है और मानव के प्रति उसकी सहानुभूति बढ़ जाती है।

बेकन ने कहा था कि कुछ पुस्तकों का केवल स्वाद चखना चाहिए, कुछ को निगल जाना चाहिए और कुछ को अच्छी प्रकार से चबाकर पचा लेना चाहिए। किसी पुस्तक को पाठ्यपुस्तक के रूप में पढ़ने में अनिवार्यता की भावना आ जाती है। यह अनिवार्यता उपयोगी हो सकती है। परंतु उससे रुचि का हनन हो जाता है। पुस्तकों का वास्तविक प्रेमी तो हर समय इनकी संगति में आनंद का अनुभव करता है।

पढ़ने की आदत मनुष्य के सभ्य होने का चिह्न है। यह मनोरंजन का अच्छा साधन है और खाली समय को बिताने का सबसे अच्छा उपाय है। पुस्तकों का खजाना किसी भी राजा के खजाने से बड़ा होता है। पुस्तकें कला, साहित्य, विज्ञान और ज्ञान रूपी सोने की खानें हैं।

क) आशय स्पष्ट कीजिए–

मस्तिष्क का सर्वोत्तम भोजन पुस्तकें हैं। 1

ख) अध्ययन करते समय मनुष्य किस मनोदशा में पहुँच जाता है? 2

ग) समाचार-पत्रों के अभाव में मनुष्य की क्या दशा हो सकती है? 1

घ) साहसिक साहित्य पढ़ने से क्या लाभ मिलता है? 1

ङ) उपन्यास पढ़ने से आनंद क्यों मिलता है? 2

च) गंभीर पुस्तकें किनका मनोरंजन करती हैं? 1

छ) गंभीर पुस्तकों से पाठक के व्यक्तित्व पर क्या प्रभाव पड़ता है? 1

ज) पाठ्य-पुस्तकों की हानि बताइए। 1

झ) 'सर्वोत्कृष्ट' का पर्यायवाची शब्द इसी अनुच्छेद से खोजिए। 1

ञ) 'सहानुभूति' का संधिच्छेद कीजिए। 1

ट) 'साहस' से विशेषण बनाइए। 1

ठ) एक सरल वाक्य बनाइए–

इन में साहित्य की पुस्तकें आती हैं जो सभी काल में पढ़ने योग्य होती है। 1

ड) उचित शीर्षक लिखिए। 1

खण्ड ख

3. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 200 शब्दों में निबन्ध लिखिए। 5

(क) विद्यार्थी और अनुशासन

(ख) स्वास्थ्य और व्यायाम

(ग) महँगाई - समस्या और समाधान

(घ) परिवार निर्माण में नारी

4. किसी दैनिक समाचार - पत्र के संपादक को सडक दुर्घटनाओं को रोकने केलिए सुझाव देते हुए एक पत्र लिखिए। 5

अथवा

देशाभिमानी पुस्तकालय तथा रीडिंग रूम को एक पुस्तकालय सहायक की आवश्यकता है जो बारहवीं कक्षा उत्तीर्ण हो और पुस्तकालय विज्ञान में डिप्लोमाधारी हो। इस पद केलिए कुमारी अपर्णा की ओर से आवेदन पत्र लिखिए।

5. **(अ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए:** 5

क) स्तंभलेखन का क्या तात्पर्य है?

ख) संपादकीय में लेखक का नाम क्यों नहीं दिया जाता?

ग) 'बीट' रिपोर्टर किसे कहते हैं?

घ) 'डेडलाइन' क्या है?

ङ) छः ककार कौन से हैं?

(आ) युवाओं में बढती नशे की प्रवृत्ति 5

अथवा

किसानों की समस्यायें – पर एक आलेख तैयार कीजिए

6. किसी एक विषय पर 150 फीचर लिखिए – 5

क) प्रदूषण

ख) क्रिकेट का बुखार

खण्ड ग

7. निम्नलिखित काव्यांश के आधार पर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए 8

जन्म से ही वे अपने साथ लाते हैं कपास
पृथ्वी घूमती हुई आती है उनके बेचैन पैरों के पास
जब वे दौडते हैं बेसुघ
छतों को भी नरम बनाते हुए
दिशाओं को मृदंग की तरह बजाते हुए
जब वे पेंग भरते हुए चले आते हैं
डाल की तरह लचीले वेग से अकसर
छतों के खतरनाक किनारों तक –
उस समय गिरने से बचाता है उन्हें
सिर्फ उनके ही रोमांचित शरीर का संगीत
पतंगों की घडकती ऊँचाइयाँ उन्हें थाम लेती है महज़ एक धोगे के सहारे।

क) "जन्म से ही वे अपने साथ लाते हैं कपास" – कपास से बच्चों का क्या संबन्ध है स्पष्ट कीजिए। 2

ख) छतों को भी नरम बनाते हुए – काव्य पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए। 2

ग) छतों के खतरनाक किनारों से बच्चे कैसे बच पाते हैं? 2

ङ) पतंग उडानेवाले बच्चे क्यों निर्भीक रहते हैं? 2

अथवा

बार - बार गर्जन
वर्षण है मूसलधार
हृदय थाम लेता संसार
सुन-सुन घोर वज्र - हुँकार
अशनि-पात से शापित उन्नत शत - शत वीर
क्षत - विक्षत हत अचल - शरीर
गगन-स्पर्शी स्पर्द्धा धीर।
हँसते हैं छोटे पौधे लघुभार

शस्य अपार,
हिल - हिल
खिल - खिल
हाथ हिलाते

तुझे बुलाते
विप्लव रख से छोटे ही है शोभा पाते।

क. सिद्ध कीजिए कि बादल क्रांति का प्रतीक है? 2

ख. आशय स्पष्ट कीजिए – विप्लव रव से छोटे ही है शोभा पाते। 2

ग. घन घोर वर्षा से संसार पर क्या प्रभाव पड़ता है? 2

घ. गगन स्पर्शी स्पर्धा - धीर किन्हें कहा गया है और क्यों? 2

8. निम्नलिखित काव्यांश पर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 6

वहु बिधि सोचत सोच बिमोचन।
स्रवत सलिल राजीव दल लोचन।।
उमा एक अखंड रघुराई।
नर गति भगत कृपाल देखाई
प्रभु प्रलाप सुनि कान विकल भए वानर निकर
आइ गयउ हनुमान जिमि करुना मँह वीर रस।।

क) राम केलिए किन विशेषणों का प्रयोग किया गया है? 2

ख) काव्यांश के छंद और उसकी भाषा पर टिप्पणी कीजिए 2

ग) हनुमान के आगमन को करुण रस में वीर रस का आगमन क्यों कहा गया है? इस का सौदर्य स्पष्ट कीजिए। 2

अथवा

सबसे तेज़ बौछारें गयी भादो गया
सबेरा हुआ
खरगोश की आँखों जैसा लाल सवेश
शरद आया पुलों को पार करते हुए
अपनी नयी चमकीली साइकिल तेज़ चलाते हुए
घंटी बजाते हुए ज़ोर - ज़ोर से
चमकीले इशारों से बुलाते हुए
पतंग उडानेवाले बच्चों के झुड को।

(क) शरद के आने की तुलना किससे की गई है? क्यों? 2

(ख) मानवीकरण का उदाहरण छाँटकर लिखिए 2

(ग) काव्यों के बिंब - सौन्दर्य को स्पष्ट कीजिए 2

9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तरलिखिए 6

क) फिराक की रुबाइयों में उभरे घेरलू जीवन के बिंबों का सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए 3

ख) उन स्थितियों को स्पष्ट कीजिए जिनके कारण पथिक जलदी-जलदी चलता है? 3

(ग) कैमरे में बंद अपाहिज को आप करुणा की कविता मानते हैं या क्रूरता की। तर्क संगत उत्तर दीजिए। 3

10. निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए - 8

सेवक - धर्म में हनुमान जी से स्पद्र्धा करने वाली भक्तिन किसी अंजना की पुत्री न होकर एक अनामधन्या गोपालिका की कन्या है - नाम है लछमिन अर्थात लक्ष्मी। पर जैसे मेरे नाम की विशालता मेरे लिए दुर्वह है, वैसे ही लक्ष्मी की समृद्धि भक्तिन के कपाल की कुंचित रेखाओं में नहीं बँध सकीं। वैसे तो जीवन में प्राय : सभी को अपने-अपने नाम का विरोधाभास लेकर जीना पड़ता है; पर भक्तिन बहुत समझदार है, क्योंकि वह अपना समृद्धि - सूचक नाम किसी को बताती नहीं। केवल जब नौकरी की खोज में आई थी, तब ईमानदारी का परिचय देने के लिए अपने शेष इतिवृत्त के साथ यह भी बता दिया; पर इस प्रार्थना के साथ कि मैं कभी नाम का उपयोग न करूँ। उपनाम रखने की प्रतिभा होती, तो मैं सबसे पहले उसका प्रयोग अपने ऊपर करती, इस तथ्य को वह देहातिन क्या जाने, इसी से जब मैंने कंठी माला देखकर उसका नया नामकरण किया तब वह भक्तिन - जैसे कवित्वहीन नाम को पाकर भी गद्‌गद हो उठी।

क) पाठ तथा लेखिका का नाम बताइए। 1

ख) लेखिका ने लछमिन की तुलना किससे की है? 2

ग) वह अपना नाम किसी से क्यों नहीं बताती? 2

घ) लछमिन ने लेखिका से क्या आग्रह किया? 2

ङ) लछमिन को नया नाम क्या मिला? 1

अथवा

शिरीष तरु सचमुच पक्के अवधूत की भाँति मेरे मन में ऐसी तरंगें जगा देता है जो ऊपर की ओर उठती रहती हैं। इस चिलकती धूप में इतना इतना सरस वह कैसे बना रहता है? क्या ये बाह्य परिवर्तन - धूप, वर्षा, आँधी, लू - अपने आपमें सत्य नहीं हैं? हमारे देश के ऊपर से जो यह मार-काट, अग्निदाह, लूट-पाट, खून-खच्चर का बवंडर बह गया है, उसके भीतर भी क्या स्थिर रहा जा सकता है? शिरीष रह सका है। अपने देश का एक बूढ़ा रह सकता था। क्यों मेरा मन पूछता है कि ऐसा क्यों संभव हुआ? क्योंकि शिरीष भी अवधूत है। शिरीष वायुमंडल से रस खींचकर इतना कोमल और इतना कठोर है। गाँधी भी वायुमंडल से रस खींचकर इतना कोमल और इतना कठोर हो सका था। मैं जब-जब शिरीष की ओर देखता हूँ तब तब हूक उठती है – हाय, वह अवधूत आज कहाँ है।

क) शिरीष की तुलना अवधूत से क्यों की गई है? 2

ख) 'देश का एक बूढ़ा' का संकेत किसकी और है? उनके बारे में क्या कहा गया है? 2

ग) शिरीष को देखकर लेखक के मन में हूक क्यों उठती है? 2

घ) शिरीष की विशेषताएँ बताइए। 2

11. किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए 12

क) बाज़ार का जादू चढ़ने और उतरने पर मनुष्य पर क्या - क्या असर पड़ता है। 3

ख) जीवन की जद्दोजहद ने चार्ली के व्यक्तित्व को कैसे संपन्न बनाया? 3

ग) कहानी के किस - किस मोड़ पर लुट्टन के जीवन में क्या - क्या परिवर्तन आए? 3

घ) जीजी ने इंदर सेना पर पानी फेंके जाने को किस तरह सही ठहराया? 3

ङ) साफ़िया के भाई ने नमक की पुड़िया ले जाने से क्यों मना कर दिया? 3

12. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

क) यशोधर को अपनी सिल्वर वैडिंग की भव्य पार्टी समहाउ इंप्रापर ही लगी, परंतु उन्हें संतोष क्यों हुआ? 3

ख) मुअनजोदड़ो की नगर योजना के विषय में बताइए। 3

ग) 'ऐन फ्रेंक की डायरी' के आधार पर डसेल के बारे में बताइए। 3

13. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 4

क) किशनदा ने यशोधर बाबू के लिए क्या - क्या किया था? 2

ख) 'जूझ' कहानी में लेखक क्या बताना चाहता है? 2

ग) मुअनजोदड़ो की खूबी क्या है? 2

14. 'समहाउ इंप्रापर' वाक्यांश का प्रयोग यशोधर बाबू एक जुमले की तरह करते हैं। यह वाक्यांश यशोधर के व्यक्तित्व और कहानी के कथ्य के बीच क्या संबंध बताता है? 5

अथवा

सिन्धु सभ्यता की खूबी उसका सौन्दर्य बोध है जो समाज पोषित था। ऐसा क्यों कहा गया?